



भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

(भारतीय सहकारी आंदोलन की शीर्षस्थ संस्था)

NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA

(APEX ORGANISATION OF THE INDIAN COOPERATIVE MOVEMENT)

दिलीप संघाणी

(पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री गुजरात सरकार)
अध्यक्ष

Dileep Sanghani

(Ex. MP & Ex. Minister, Govt. of Gujarat)
President

Message on International Women Day 8th March 2021

Warm greetings on International Women's Day, observed annually on 8th March to celebrate the social, economic, cultural and political achievements of women as well as raise awareness about women's equality. This year, the theme for International Women's Day is "**Women in Leadership: achieving an equal Future in a COVID – 19 World**", to highlight the pioneering role played by women and girls in shaping a more equal future and recovery from COVID – 19 pandemic.

Women are heads of state or government in 22 countries and 24.9% of national parliamentarians are women, but heartening fact that woman accounts for around 70% of the global health workforce, who have played pioneering role during the COVID – 19 crisis. Strengthening women's leadership is the priority within WHO in the strategic approach to tackle the health issues by integrating gender into all aspects of the COVID-19 response.

The International Cooperative Alliance (ICA) Gender Equality Committee has started one month social media campaign to showcase the important role of cooperatives regarding women in leadership and COVID – 19. The President of the ICA Gender Equality Committee very rightly pointed that "*it is our duty to take part in the building of all policies and strategies focused on bringing forward the rights of women and girls and their empowerment*".

Cooperatives have been playing an important role in promoting Gender and Socio-Economic Equality on the line of Goal No. 5 of the 17 Sustainable Development Goals of United Nations to transform the world by 2030. The study conducted by International Cooperative Alliance – Asia Pacific and Indian Cooperative Network for Women (ICNW) states that there is 1 women member against 3 male members in a cooperative and participation of women in decision making of the cooperative have increased over past few years. The dairy cooperatives in Gujarat (AMUL brand) and Shri Mahila Griha Udyog Lijjat Papad are examples of highly successful women leader cooperative business that is famous not only in India, but worldwide. During the Covid crisis, many women led cooperatives worked with local government bodies as well as private sectors to distribute food kits, sanitizers, masks and other essentials as well as organized health training to grassroots leaders in preventive healthcare. After the initial relief effort, the women's cooperatives have been active in rebuilding livelihood and services.

NCUI has established a National Committee for Empowerment of Women to periodically review the existing situation of women cooperative in India and evolving schemes / projects for enhancing women's participation in the affairs of cooperatives.

On International Women's Day, I would like to urge all the member women led cooperatives to pursue with the Government to prepare a 'Cooperative Policy' with a chapter exclusively on Gender Equality and women participation in decision making in cooperatives.

(Dileep Sanghani)

3, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज़ खास, नई दिल्ली-110016

3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016

दूरभाष / Phones : 011- 40616370, 49846339 फैक्स / Fax : 011 – 41811153

ई-मेल / E-mail: ncuiresident@gmail.com, Website : www.ncui.coop



भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

(भारतीय सहकारी आंदोलन की शीर्षस्थ संस्था)

NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA

(APEX ORGANISATION OF THE INDIAN COOPERATIVE MOVEMENT)

दिलीप संघाणी

(पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री गुजरात सरकार)
अध्यक्ष

Dileep Sanghani

(Ex. MP & Ex. Minister, Govt. of Gujarat)
President

संदेश

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च 2021)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं सभी को अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ। यह दिवस प्रतिवर्ष 08 मार्च को महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने तथा महिलाओं की समानता के अवसरों के प्रति उन्हें जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की विषयवस्तु " वैश्विक त्रासदी कोविड- 19 के समय में महिला नेतृत्व में विश्व में एकसमान भविष्य प्राप्त करना " रखा गया है जिसका उद्देश्य महिलाओं एवं लड़कियों द्वारा सभी के लिए एक समान भविष्य एवं कोविड महामारी से स्वास्थ्य लाभ में निभाई गई अग्रणी भूमिका को उजागर करना है।

आज विश्व के बाईस देशों में महिलाएं राज्य प्रमुख हैं तथा विश्व की कुल राष्ट्रीय सांसदों में लगभग 24.9 प्रतिशत महिलाएं सांसद हैं। हर्ष की बात है कि वैश्विक स्वास्थ्य कर्मचारियों की कुल संख्या में से लगभग सत्तर प्रतिशत महिलाएं हैं जिन्होंने कोविड - 19 की त्रासदी के दौरान स्वास्थ्य जनित कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई है। महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को विकसित करना विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्राथमिकता है। महामारी कोविड-19 के इस दौर में सभी पहलुओं व लोगों को एकीकृत कर स्वास्थ्य मुद्दों से निपटने में अहम भूमिका का निर्वहन करना है।

कोविड-19 महामारी के इस दौर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारी एलायंस (आईसीए) की लैंगिक समानता कमेटी ने नेतृत्व और कोविड के समय में महिलाओं की सहकारी समितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और उनकी कार्य क्षमता उभारने के लिए एक महीने के लिए सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है। आईसीए लैंगिक समानता कमेटी के अध्यक्ष महोदय ने बहुत ही सही कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि

3, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज़ खास, नई दिल्ली-110016

3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016

दूरभाष / Phones : 011- 40616370, 49846339 फ़ैक्स / Fax : 011 - 41811153

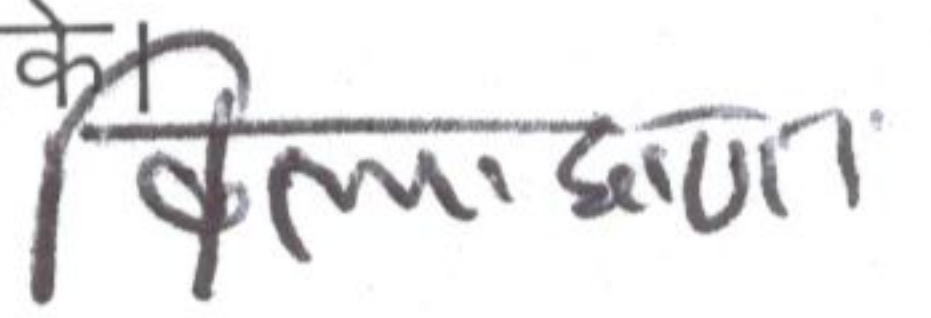
ई-मेल / E-mail: ncuiresident@gmail.com, Website : www.ncui.coop

हमें आगे आकर इस तरह की नीतियां और रणनीतियां बनानी चाहिए जिससे कि महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों की रक्षा हो सके और उनका सशक्तीकरण किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र के वर्ष 2030 के लक्ष्य के अनुसार सतत विकास के सत्रह लक्ष्यों में लक्ष्य संख्या पांच की तर्ज पर लिंग और सामाजिक-आर्थिक समानता को बढ़ावा देने में सहकारिताएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी एलायंस - एशिया प्रशांत, इंडियन कोऑपरेटिव नेटवर्क फॉर वीमेन (आईसीएनडब्लू) द्वारा किए गए अध्ययन एवं सर्वेक्षण अनुसार सहकारी क्षेत्र में प्रत्येक तीन पुरुष सदस्यों के एवज में एक महिला सदस्य कार्यरत है और पिछले कुछ वर्षों में सहकारी क्षेत्रों में लिए जा रहे निर्णयों में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। गुजरात में डेयरी सहकारी समिति (अमूल ब्रांड) और श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ सहकारी व्यवसाय में अत्यधिक सफल उदाहरण है जो ना केवल भारत में अपितु पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है । कोविड-19 महामारी के दौरान कई महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों ने स्थानीय सरकारी निकायों के साथ-साथ निजी क्षेत्रों में खाद्य किट, सैनिटाइज़र, मास्क और अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया और उसके साथ-साथ स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में जमीनी स्तर के लोगो हेतु स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए । इसके अतिरिक्त प्रारम्भिक स्तर पर कोविड से राहत के पश्चात महिला सहकारी समितियाँ आजीविका पुनर्निर्माण और सेवाओं के संदर्भ में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए एक राष्ट्रीय समिति की स्थापना की है जो कि भारत में महिलाओं की सहकारिता में मौजूदा स्थिति की समीक्षा करती है जिससे कि सहकारी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सके और उससे संबन्धित योजनाओं और परियोजनाओं का विकास हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस अवसर पर मैं सभी महिला सदस्यों के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे सरकार के साथ मिलकर एक "सहकारी नीति" बनाएँ जिसमें सहकारिता से जुड़े विषयों पर निर्णय लिए जा सकें तथा विशेष रूप से लैंगिक समानता एवं महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।


(दिलीप संघाणी)

अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ